

## राजस्थान के 21 जिलों का जल संकट खत्म...

पीएम मोदी ने पीकेसी-ईआरसीपी का किया उद्घाटन; कांग्रेस पर साधा निशाना

नदी जोड़ने की योजना में देरी की जिम्मेदार कांग्रेस, मोहन यादव-भजनलाल की फोटो याद रखी जाएगी : मोदी



### प्रधानमंत्री मोदी के भाषण की 4 बड़ी बातें

#### 1. जल विवाद के लिए कांग्रेस जिम्मेदार:

प्रधानमंत्री ने ईआरसीपी और पहले के जल विवादों को लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि लोग उनसे जरूर पूछें कि कौनसे कर्म की वजह से ईआरसीपी समझौता नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि आज जो हुआ है वो बहुत ही असाधारण घटना है।

#### 2. पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत को किया याद:

जब गुजरात का मुख्यमंत्री था तब हमने बिना किसी झगड़े के नर्मदा का पानी राजस्थान को दिया। उस समय भैरोंसिंह जी-जसवंत सिंह जी मिलने के लिए आए थे। भैरोंसिंह जी की तो जंगली पड़कर हम कई लोग बड़े हुए हैं। वह आकर मेरे सामने बैठे नहीं, वह मेरा सम्मान करना चाहते थे,



में यह देखकर मैं अवाक था।

#### 3. मोदी की गारंटी, राजस्थान के सभी घरों तक पहुंचेगा पानी:

ताजा समझौते से राजस्थान को पानी मिलने का दावा भी किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के 100 फीसदी घरों में नल से जल पहुंचेगा। केंद्रीय जल मंत्री इस अभियान को हाथ में ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूफटॉप सोलर स्कीम में भी राजस्थान को फायदा हुआ है।

#### 4. पेपरलीक के लिए फिर कांग्रेस पर आरोप:

पेपरलीक राजस्थान की पहचान बन चुका था। युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही थीं। भाजपा सरकार आने के बाद परिस्थितियां बदली हैं। पेट्रोल-डीजल भी सस्ता मिल रहा है।

#### बढ़ता राजस्थान

जयपुर। भजनलाल सरकार का एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को राजस्थान आए। वे यहां करीब 3 घंटे रहे। इस दौरान उन्होंने जयपुर के दादिया में एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष कार्यक्रम को संबोधित किया। साथ ही बिजली, पानी, सड़क व रेलवे से जुड़ी 46300 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। सबसे जरूरी, पीएम मोदी ने पार्वती-कालीसिंध-चंबल पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (पीकेसी-ईआरसीपी) का उद्घाटन करके राजस्थान के 21 जिलों में दशकों से बने जल संकट को खत्म कर

दिया। पीएम ने कहा कि उनके लिए पानी पारस है। पानी की कमी के दुख को वो समझते हैं। इसीलिए दो राज्यों के बीच 20 साल पुराने झगड़े को खत्म करके जनता को यह सौगात दी गई है। अब लोगों को पीने के लिए या फिर फसलों की सिंचाई के लिए पानी की कमी नहीं होगी।

पीकेसी-ईआरसीपी में प्रमुख नदियां शामिल हैं। जैसे चंबल और इसकी सहायक नदियां पार्वती, कालीसिंध, कुनो, बनास, बाणगंगा, रूपेल, गंधीरी और मेज शामिल हैं। नवनेरा बेराज से पानी गलवा बांध तक लाना जाएगा। यहां दो हिस्सों में ईसरदा बांध और बीसलपुर बांध तक पानी पहुंचेगा।

#### वया है पीकेसी-ईआरसीपी योजना...

प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के दूसरे कार्यकाल में साल 2017 में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का झूफट तैयार किया गया था। बताया जाता है कि यह परियोजना उन्हीं की देन है। इसके अंतर्गत पार्वती, चंबल और कालीसिंध नदी को जोड़ने की रूपरेखा तैयार की गई थी। इसके जरिए पूर्वी राजस्थान के जयपुर, झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, गंगापूर सिटी, ब्यावर, केकड़ी, दूदू, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, डींग और जयपुर ग्रामीण को जल संकट से छुटकारा मिलेगा। पेयजल के साथ किसानों को सिंचाई के लिए भी जरूरत का पानी मिल सकेगा।

### भावनगर में बस-डंपर की टकरा में 6 की मौत

सड़क किनारे खड़े डंपर से टकराई 50 यात्रियों से भरी बस, 20 से ज्यादा घायल



#### बढ़ता राजस्थान

भावनगर (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर में मंगलवार सुबह एक बस और डंपर में टकरा हो गई, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब छह बजे त्रपज गांव के पास हुआ, जब बस भावनगर होते हुए सूरत से राजुला की ओर जा रही थी।

#### ● अगले हिस्से में बैठे यात्रियों की मौत

इसी दौरान भावनगर में त्रापज के पास बस सड़क किनारे खड़े डंपर के पीछे टकरा गई। टकरा इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस में आगे बैठे लोगों की मौत पर ही मौत हो गई। घायलों का भावनगर के सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों में 3 यात्रियों को गंभीर चोट आई है।

#### ● सड़क किनारे खड़ा था डंपर

बस के ड्राइवर वल्लभभाई सोडभाई मकवाना ने बताया- हमारी बस सूरत से राजुला आ रही थी। पूरी बस यात्रियों से भरी हुई थी। इसी दौरान त्रापज के पास सड़क के किनारे एक डंपर खड़ा था। लेकिन उसके चारों ओर पत्थर या उसके खड़े होने के कोई सिग्नल नहीं था। इसलिए मेरा ध्यान उस पर नहीं गया। जैसे ही बस डंपर के नजदीक पहुंची तो मैंने बस रोकने की कोशिश की, लेकिन ये हादसा हो गया।

## एक देश-एक चुनाव बिल पेश करने को लेकर वोटिंग लोकसभा में पक्ष में 269, विरोध में 198 वोट पड़े

#### बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को एक देश, एक चुनाव के लिए 129वां संविधान (संशोधन) बिल पेश किया। बिल के लिए पहले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई गई। कुछ सांसदों की आपत्ति के बाद वोट संशोधित करने के लिए फिर पक्षों से मतदान हुआ।

बिल को पेश करने के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। इसके बाद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे सदन में रखा। अमित शाह ने सदन में कहा कि बिल जब कैबिनेट में आया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजना चाहिए। कानून मंत्री ऐसा प्रस्ताव कर सकते हैं।

सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन बिल, बीजेपी की देश में तानाशाही लाने की कोशिश है।

मिडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा आज एक देश-एक इलेक्शन बिल लोकसभा में पेश करते वक्त पार्टी के अनुपस्थित 20 सांसदों को नोटिस भेजेगी। पार्टी ने इन्हें सदन में मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है।



#### पक्षों से मतदान होने के बाद पक्ष में वोट बढ़े

12:10 बजे केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पेश किया। विपक्षी सांसदों ने बिल का विरोध किया, जिसके बाद स्पीकर ओम बिड़ला ने बिल पेश करने को लेकर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई। इसमें 369 सदस्यों ने वोट डाला। पक्ष में 220, विपक्ष में 149 वोट पड़े। इसके बाद विपक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर उनको ऑब्जेक्शन है तो पक्षों में वोटिंग करनी चाहिए। इस पर स्पीकर ने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि अगर किसी सदस्य को लगे तो वह पक्षों के जरिए भी अपना वोट संशोधित कर सकता है। इसके बाद ज्यादा सांसदों ने वोट डाला। पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। इसके बाद 1:15 बजे कानून मंत्री ने दोबारा बिल पेश किया। सरकार ने सदन में 2 बिल पेश किए सरकार ने एक देश, एक चुनाव से जुड़े 2 बिल 17 दिसंबर को लोकसभा में पेश किए। पहला- संविधान (129वां संशोधन) बिल। दूसरा- केंद्र शासित कानून (संशोधन) बिल 2014, इसके तहत पुद्दुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा सकें। इस संशोधन बिल के जरिए इन तीन एक्ट में बदलाव किया जाना है। द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटोरिज एक्ट- 1963, द गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली- 1991 और द जम्मू एंड कश्मीर रीऑर्गनाइजेशन एक्ट- 2019 शामिल हैं।

राम बाबू शर्मा (सचिव)  
9828084769

## इण्डिया इलेक्ट्रोकेयर

कलर टीवी, डीवीडी, फ्रीज, वॉशिंग मशीन आदि रिपेयर किए जाते हैं।

पिंजरापोल गौशाला के सामने, टोंक रोड, सांगानेर, जयपुर

indiaelectrocare@gmail.com

























12 | जयपुर | बुधवार, 18 दिसम्बर, 2024

## बढ़ता देश-प्रदेश

अगर किसी चीज को दिल से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने में लग जाती है...  
-हरिषित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

राजस्थान के 7 जिलों में आज भी शीतलहर का अलर्ट 16 शहरों में कड़ाके की सर्दी, 5 डिग्री से नीचे तापमान; तीन दिन में बढ़ेगी ठंड



बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। सोमवार को पूरे प्रदेश में 16 शहरों का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। सोकर, झुंझुनू में अधिकतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। वहीं, मंगलवार सुबह टोंक सहित आसपास के एरिया में घने कोहरे का असर रहा।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में अगले तीन दिन में सर्दी और तेज होने की आशंका है। इस बीच फतेहपुर के अलावा अन्य शहरों का तापमान गिरकर शून्य या माइनस में जाने की आशंका है। आज भी 7 जिलों में शीतलहर का अलर्ट है। राज्य में तेज सर्दी से 22 दिसंबर तक राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।

## सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर में

सोमवार को सबसे ज्यादा तापमान 28.6 डिग्री बाड़मेर और 28.2 डिग्री सेल्सियस चित्तौड़गढ़ में दर्ज हुआ। जालोर में 27.7, जोधपुर में 27.3, झुंझुनू में 26.9, चुरू 25.2, उदयपुर में 25.4, जयपुर में 25.1 और अजमेर में 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सबसे ठंडा दिन कल सिराही में रहा, जहां का अधिकतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। सोकर के पास फतेहपुर में सोमवार को भी पारा माइनस में दर्ज हुआ। फतेहपुर के अलावा सोकर, चुरू के एरिया में बर्फ जमी। भीलवाड़ा, वनस्थली, अलवर, करौली, चुरू, श्रीगंगानगर और जालोर में सौजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ।

## इन शहरों में पांव डिग्री से नीचे आया पाटा

राजस्थान में सोमवार को 14 शहरों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। इसमें जालोर, हनुमानगढ़, चुरू, करौली, फतेहपुर, बारां, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, सोकर, पिलानी, अलवर, वनस्थली, माउंट आबू और भीलवाड़ा जिलों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। मौसम केंद्र नई दिल्ली के अनुसार राजस्थान में 22 दिसंबर तक कोल्ड-वेव का सबसे ज्यादा असर पूर्वी और उत्तरी राजस्थान के जिलों में रहने की आशंका है।

सेना ने कहा- 1971 युद्ध की तस्वीर हटाई नहीं...

उसे आर्मी चीफ लाउंज से मानेकशों सेंटर में शिफ्ट किया, ताकि ज्यादा लोग देख सकें

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ के लाउंज में लगी पाकिस्तानी सेना के समर्पण की तस्वीर को लेकर सेना का बयान आया है। सेना ने अपने डू हेंडल पर बताया कि 1971 युद्ध की तस्वीर हटाई नहीं गई है। इसे दिल्ली के मानेकशों सेंटर में जानबूझकर शिफ्ट किया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देख सकें। दरअसल, सेना प्रमुख के लाउंज में 1971 के पाकिस्तानी सेना के सरेंडर वाली पेंटिंग को बदलकर एक नई कलाकृति लगाई गई है। इसमें लड़ाख के पेंगॉंग ल्सो, महाभारत से प्रेरित विषय-वस्तु और आधुनिक युद्ध को दर्शाया गया है, जो संभवतः चीन के साथ उत्तरी सीमा पर भारत के बढ़ते रणनीतिक फोकस को दर्शाता है। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण वाली तस्वीर को हटाने का मामला संसद तक पहुंच गया था।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया था। दोनों ने सरकार पर भारत के सैन्य इतिहास और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार को विरासत को कमतर आंकने का आरोप लगाया। यह तस्वीर 16 दिसंबर 1971 की है। इसे ढाका के रेसकोर्स में लिया गया था। तस्वीर में पाकिस्तान के लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाजी और भारत के ईस्टर्न थिएटर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा नजर आ रहे हैं। नियाजी के सामने मेज पर एक डॉक्यूमेंट है, जिस पर वे दस्तखत करते दिख रहे हैं। उनके पीछे भारतीय सेना के कई और अधिकारी भी खड़े हैं। यह वही ऐतिहासिक पल था, जिसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल नियाजी ने कमर पर लगी अपनी पिस्टल जगजीत सिंह को सौंप दी थी और 93 हजार पाक सैनिकों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सरेंडर किया।

तृतीय श्रेणी अध्यापक लेवल प्रथम मामले में सुनवाई पूरी

हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा, सरकार ने कहा- विशेषज्ञ के रूप में अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। हाई कोर्ट ने तृतीय श्रेणी अध्यापक लेवल प्रथम मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया है। भर्ती में असफल अभ्यर्थियों ने एकलपिठ के फैसले को खंडपीठ में चुनौती दी थी। जिस पर जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने सुनवाई पूरी कर ली। याचिकाकर्ताओं ने 22 सवालों के जवाब को गलत बताते हुए अपील दायर की थी। अपील में कहा गया था कि बोर्ड ने जिन जवाबों को सही माना है, वो तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। लेकिन एकलपिठ ने इस तथ्य को ओर ध्यान नहीं दिया।

हाई कोर्ट विशेषज्ञ के रूप में हस्तक्षेप नहीं कर सकता-सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कहा गया कि



भर्ती करीब 21 हजार पदों के लिए निकाली गई थी। जिसमें से सरकार 20,020 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर चुकी है। इन में से 19,786 पदों पर अभ्यर्थियों ने जॉइन भी कर लिया है। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद केवल 193 पद ही खाली रहेंगे। ऐसे में इस

स्टेज पर भर्ती प्रक्रिया में दखल नहीं दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही बोर्ड ने एक्सपर्ट कमेटी के आधार पर अंतिम आंसर-की जारी की थी। हाई कोर्ट विशेषज्ञ के तौर पर हस्तक्षेप नहीं कर सकता है।

जहाजपुर में प्रशासन की आंखों के सामने बनास नदी में खुले आम हो रहा बजरी का अवैध खनन

जहाजपुर बनास नदी से बजरी खनन के लिए अब तक नहीं हुई है किसी भी ब्लॉक की नीलामी



बढ़ता राजस्थान

जहाजपुर ( गोविन्द सिंह सेठी )। यहां खनिज विभाग द्वारा अब तक बनास नदी से बजरी का खनन करने के लिए किसी भी ब्लॉकों की नीलामी नहीं हो पाई है। बावजूद इसके जहाजपुर प्रशासन की आंखों के सामने बनास नदी से बजरी का अवैध खनन खुलेआम किया जा रहा है। यहां बने इस हालातों पर बजरी माफिया के साथ संबंधित प्रशासन की मिली भगत कहीं ना कहीं साफ तौर पर दिखाई पड़ती है। इसलिए की जहाजपुर भीलवाड़ा के मुख्य मार्ग पर बने हुए जहाजपुर की बनास पुलिया से बजरी का अवैध खनन करना साफ तौर पर देखा जा सकता है। यह भी जानकारी मिली है कि भीलवाड़ा खनिज विभाग ने जहाजपुर की बनास नदी से बजरी खनन करने के लिए

फिलहाल अभी कोई लीज जारी नहीं की हुई है।

उल्लेखनीय है कि जहाजपुर की बनास नदी में जिस क्षेत्र से बजरी का अवैध खनन किया जा रहा है। वहां से संबंधित भी ब्लॉकों की नीलामी नहीं हो पाई है। बावजूद इसके जहाजपुर प्रशासन की आंखों के सामने बनास नदी से बजरी का अवैध खनन खुलेआम किया जा रहा है। यहां बने इस हालातों पर बजरी माफिया के साथ संबंधित प्रशासन की मिली भगत कहीं ना कहीं साफ तौर पर दिखाई पड़ती है। इसलिए की जहाजपुर भीलवाड़ा के मुख्य मार्ग पर बने हुए जहाजपुर की बनास पुलिया से बजरी का अवैध खनन करना साफ तौर पर देखा जा सकता है। यह भी जानकारी मिली है कि भीलवाड़ा खनिज विभाग ने जहाजपुर की बनास नदी से बजरी खनन करने के लिए

विरुद्ध कोई कार्रवाई होती नहीं दिखाई पड़ रही है। यहां देखने वाली बात तो यह है कि जहाजपुर की बनास नदी से बजरी के अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई का अधिकार रखने वाले संबंधित विभाग एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी ऐसे हालातों को देखकर भी जानबूझकर अनजान बने हुए हैं क्यों ? ऐसे में यहां अवैध खनन बेखोफ रहकर किया जाना ज़िम्मेदार अधिकारियों की नाकामी साबित कर रहा है। ऐसे में देखने वाली बात तो यह है कि यहां जहाजपुर प्रशासन की मौजूदगी के बीच हो रहे बजरी के अवैध खनन के कारण राज्य सरकार के कोष को प्रतिदिन करोड़ों का नुकसान पहुंच रहा है। जबकि इस बात की जानकारी संबंधित विभाग के अधिकारियों को भी बखूबी प्राप्त है। ऐसे में यहां चल रहे बजरी के अवैध खनन के

विरुद्ध कोई कार्रवाई होती नहीं दिखाई पड़ रही है। यहां देखने वाली बात तो यह है कि जहाजपुर की बनास नदी से बजरी के अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई का अधिकार रखने वाले संबंधित विभाग एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी ऐसे हालातों को देखकर भी जानबूझकर अनजान बने हुए हैं क्यों ? ऐसे में यहां अवैध खनन बेखोफ रहकर किया जाना ज़िम्मेदार अधिकारियों की नाकामी साबित कर रहा है। ऐसे में देखने वाली बात तो यह है कि यहां जहाजपुर प्रशासन की मौजूदगी के बीच हो रहे बजरी के अवैध खनन के कारण राज्य सरकार के कोष को प्रतिदिन करोड़ों का नुकसान पहुंच रहा है। जबकि इस बात की जानकारी संबंधित विभाग के अधिकारियों को भी बखूबी प्राप्त है। ऐसे में यहां चल रहे बजरी के अवैध खनन के

पर यहां चल रहे अवैध खनन की जानकारी बनास नदी क्षेत्र के ग्रामीणों से भी मिली है। जिसमें बताया कि जहाजपुर की बनास नदी क्षेत्र में पूर्व और उत्तर क्षेत्र से अवैध खनन कर बड़ी मात्रा में बजरी निकली जा रही है। जानकारी के अनुसार खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन को ऐसे मामलों की जानकारी ग्रामीणों द्वारा पहुंचाई जाती है। लेकिन अवैध खनन माफिया के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के खनिज विभाग ने यहां बनास नदी से बजरी खनन पर फिलहाल रोक लगाई हुई है। यहां किसी भी कंपनी या फर्म को बजरी निकालने के लिए पट्टा या लीज जारी नहीं किया हुआ है। फिर भी यहां बजरी माफिया बनास नदी में एलएनटी मशीनों के जरिए अवैध तौर पर बजरी का खनन कर रहे

हैं। तो वहीं विभाग के अधिकारी बजरी माफियाओं के आगे नमस्तक बने हुए हैं। ग्रामीणों से मिली जानकारी में मामला यह भी सामने आया है कि बजरी माफिया बनास नदी के सीने को 20 से 30 फीट तक गहरा कर छलनी कर रहे हैं। ऐसे हालातों के विरुद्ध कार्रवाई करने वाले ज़िम्मेदार अधिकारियों ने आंखें मूंद रखी हैं। और देखने वाली बात तो यह है कि नदी में हो रहे बजरी के अवैध खनन हेतु माफियाओं के विरुद्ध बनाए गए कानून कागजों में सिमट कर रह गए हैं। इधर पर्यावरण विशेषज्ञों की माने तो इसका बुरा असर पर्यावरण पर पड़ना लगभग तय माना जा रहा है। यह कहना भी मुश्किल नहीं होगा कि अवैध खनन के चलते विभाग के बनाए गए कानून नियमों की यहां ध्वजियां उड़ाई जा रही हैं। तो वहीं इस पर सवालिया निशान भी उठ रहे हैं।

उत्कर्ष-कोचिंग में मिर्ची की गंध से बेहोश हुए थे स्टूडेंट जोन उपायुक्त की रिपोर्ट में दावा: सीवरेज लीकेज जैसा कुछ नहीं मिला

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। उत्कर्ष कोचिंग सेंटर में रविवार को बेहोश हुए स्टूडेंट के मामले में जोन उपायुक्त ने ग्रेटर नग निगम को क्लीन चीट सौंप दी है।

इस मामले में अब तक ये सामने आ रहा था कि सीवरेज की बदबू से बच्चे बेहोश हुए थे। लेकिन, जोन उपायुक्त की ओर से दी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मिर्ची के छोंक और उसकी बदबू से ऐसा हुआ। दरअसल, महेश नगर थाना इलाके में गोपालपुर बाइपास स्थित उत्कर्ष कोचिंग में रविवार शाम 6:45 पर



अचानक बच्चे बेहोश होने लगे थे। इस दौरान 10 स्टूडेंट को पास के सोमानी कालेज में एडमिट करवाया गया था। इस मामले में सामने आया था कि सीवरेज की वजह से ऐसा हुआ है। इसके बाद सोमवार को कोचिंग को जांच पूरी होने तक

के लिए सील किया गया। मामले में नगर निगम मानसरोवर जोन उपायुक्त लक्ष्मीकांत कटारा के नेतृत्व में जांच बैठाई गई। मंगलवार को जोन उपायुक्त कटारा की ओर से दी रिपोर्ट में बताया गया कि टीम को वहां कुछ नहीं मिला।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस

दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।



उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही

कलर एवं ब्लैक मुद्रण

किफायती मुद्रण लागत

Printing Press

• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021

Office

• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya,

NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021

(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03

• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033

(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795

Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com